

BHOPAL

Courtesy by

दैनिक दबांग दुनिया

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
दिव्य सत्ता
सच बेहिचक

स्पाइन केयर विशेषज्ञों ने हाथ मिलाया, डीजीएचएस, भारत सरकार के तत्वावधान में भोपाल में प्रथम राष्ट्रीय चोट निवारण सप्ताह का शुभारंभ किया

भोपाल। सड़क दुर्घटना या गिरने से हर साल कम से कम दस लाख भारतीयों के जीवन को बचाने में मदद करने के उद्देश्य से स्पाइनल कॉर्ड सोसाइटी, आईओए, एएसएसआई और आईएसआईसी ने 10 अन्य संस्थानों के सहयोग से आज स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (ष्ठल।स), स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के तत्वावधान में पहली बार नेशनल इंजरी प्रिवेंशन वीक का शुभारंभ किया। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली सहित पूरे भारत के 11 शहरों में किया गया। यह कार्यक्रम चोटों के प्रति जागरूकता, उनका निवारण, रिसर्च और सहयोग निर्माण के उद्देश्य से 7 सितंबर तक जारी रहेगा। इंजरी प्रिवेंशन वीक की पहले दिवस के मौके पर व्हील चेयर स्पोर्ट्स और कल्चरल एक्टिविटी का आयोजन भी किया गया, जिसमें रेस, म्यूजिकल चेयर, लेमन रेस अदि खेल मुख्य रहे यह बहुत ही अलग और आला पहल है। इस पहल हिस्सा स्पाइनल कॉर्ड सोसाइटी, इंडियन ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन, एसोसिएशन ऑफ स्पाइन सर्जन ऑफ इंडिया, इंडियन एसोसिएशन ऑफ फिजिकल मेडिसिन एंड रिहैबिलिटेशन, इंडियन स्पाइनल इंजरी सेंटर और इंडियन हेड इंजरी फाउंडेशन, चंडीगढ़ स्पाइनल रिहैब, द एसोसिएशन ऑफ पीपल विद डिसएबिलिटी, द स्पाइनल फाउंडेशन, कारा मेडिकल फाउंडेशन, स्पाइन वेलनेस एंड केयर फाउंडेशन, बी ब्रेव और नीना फाउंडेशन है। इस कार्यक्रम को विशेष रूप से दिल्ली, चेन्नई, मुंबई, कोलकाता, कटक, पुणे, लखनऊ, हैदराबाद, लखनऊ, पटना और भोपाल से वच्युयली पार्टिसिपेशन के साथ पूरे भारत में लॉन्च किया गया, इसके बाद इसे दिल्ली में व्हीलचेयर खेल और सांस्कृतिक कार्यक्रम में आयोजित किया गया। मीडिया को सम्बोधित करते हुए डॉ एचएस छाबड़ा, प्रेजिडेंट स्पाइनल कॉर्ड सोसाइटी, तत्काल पूर्व प्रेजिडेंट ऐ एस एस आई व डायरेक्टर x चीफ ऑफ स्पाइन सर्विसेज इंडियन स्पाइनल इंजरी सेंटर ने कहा, सड़क दुर्घटनाएं और गिरना भारत में चोट के मुख्य कारणों में से हैं। वास्तव में, भारत में दुनिया भर में सड़क दुर्घटना में होने वाली मौतों का लगभग 10 प्रतिशत हिस्सा है, जिसमें बड़ी संख्या में 18 से 35 वर्ष के युवा शामिल हैं। 2017 में, भारत में 26,896 वयस्कों की मृत्यु सीट-बेल्ट का उपयोग न करने के कारण हुई। सिर की चोट बच्चों, किशोरों और युवा वयस्कों के लिए मौत का प्रमुख कारण है। चोट की रोकथाम न केवल जीवन की गुणवत्ता को बनाए रखने के लिए बल्कि आजीवन आर्थिक बोझ को बचाने के लिए भी महत्वपूर्ण है - अमेरिका में, पैराप्लेजिस (शरीर के निचले आधे हिस्से का पूर्ण पक्षाघात) 2 मिलियन अमरीकी डालर का आजीवन आर्थिक बोझ है, जबकि टेट्राप्लाजिक (व्यक्ति दोनों हाथों और दोनों पैरों में लकवाग्रस्त) 4 मिलियन अमरीकी डालर का बोझ है।

डीजीएचएस ने भोपाल में प्रथम राष्ट्रीय चोट निवारण सप्ताह का शुभारंभ किया

भोपाल। सड़क दुर्घटना या गिरने से हर साल कम से कम दस लाख भारतीयों के जीवन को बचाने में मदद करने के उद्देश्य से स्पाइनल कॉर्ड सोसाइटी, आईओए, एएसएसआई और आईएसआईसी ने 10 अन्य संस्थानों के सहयोग से आज स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के तत्वावधान में पहली बार नेशनल इंजरी प्रिवेंशन वीक का शुभारंभ किया। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली सहित पूरे भारत के 11 शहरों में किया गया। यह कार्यक्रम चोटों के प्रति जागरूकता, उनका निवारण, रिसर्च और सहयोग निर्माण के उद्देश्य से 7 सितंबर तक जारी रहेगा। इंजरी प्रिवेंशन वीक की पहले दिवस के मौके पर व्हील चेयर स्पोर्ट्स और कल्चरल एक्टिविटी का आयोजन भी किया गया, जिसमें रेस, म्यूजिकल चेयर, लेमन रेस अदि खेल मुख्य रहे। यह बहुत ही अलग और आला पहल है। इस पहल हिस्सा स्पाइनल कॉर्ड सोसाइटी, इंडियन ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन, एसोसिएशन ऑफ स्पाइन सर्जन ऑफ इंडिया, इंडियन एसोसिएशन ऑफ फिजिकल मेडिसिन एंड रिहैबिलिटेशन, इंडियन स्पाइनल इंजरी सेंटर और इंडियन हेड इंजरी फाउंडेशन, चंडीगढ़ स्पाइनल रिहैब, द

एसोसिएशन ऑफ पीपल विद डिसएबिलिटी, द स्पाइनल फाउंडेशन, कारा मेडिकल फाउंडेशन, स्पाइन वेलनेस एंड केयर फाउंडेशन, बी ब्रेव और नीना फाउंडेशन हैं। इस कार्यक्रम को विशेष रूप से दिल्ली, चेन्नई, मुंबई, कोलकाता, कटक, पुणे, लखनऊ, हैदराबाद, लखनऊ, पटना और भोपाल से वच्युयली पार्टिसिपेशन के साथ पूरे भारत में लॉन्च किया गया, इसके बाद इसे दिल्ली में व्हीलचेयर खेल और सांस्कृतिक कार्यक्रम में आयोजित किया गया। मीडिया को संबोधित करते हुए डॉ एचएस छाबड़ा, प्रेजिडेंट स्पाइनल कॉर्ड सोसाइटी, तत्काल पूर्व प्रेजिडेंट ऐ एस एस आई व डायरेक्टर - चीफ ऑफ स्पाइन सर्विसेज इंडियन स्पाइनल इंजरी सेंटर, इंडियन ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन (आईओए) के अध्यक्ष डॉ बी शिव शंकर और डॉ शंकर आचार्य अध्यक्ष एसोसिएशन ऑफ स्पाइन सर्जन ऑफ इंडिया (एएसएसआई) ने अपने-अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम के आगामी दिनों सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों, हॉस्पिटल और डॉक्टरों सहित कई स्टेकहोल्डर शामिल होंगे और पैनल चर्चा और वेबिनार के लिए नीति निमाताओं से चर्चा करेंगे। ई-पोस्टर प्रतियोगिता भी होगी।